45 करोड़ रुपये की राशि मांगी है उत्तराखंड ने चालू वित्तीय वर्ष में बाघ संरक्षण के लिए केंद्र सरकार से। राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण को भेजी गई वार्षिक कार्ययोजना के मुताबिक इस राशि से कार्बेट और राजाजी टाइगर रिजर्व में बाघों के वासस्थल का विकास किया जाएगा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 16 मई 2019

मप्र में चौकीदार के बेटे ने 10वीं में किया टॉप, 500 में से 499 अंक

नईदुनिया, सागर

देश की राजनीतिक गलियारों में इन दिनों चौकीदार शब्द चर्चा में है। कांग्रेस चौकीदार चोर के नारे लगा रही है तो भाजपा नेता खुद को चौकीदार बताकर सियासत कर रहे हैं। इसी दौरान मप्र के सागर में वास्तविक चौकीदार के बेटे ने बुधवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10वीं के परीक्षा परिणाम में प्रदेश में टॉप किया है। उसने 500 में से 499 अंक हासिल किए हैं। सागर से ही किसान के बेटे गगन दीक्षित भी 10वीं की मेरिट लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर है।

शहर के एक मैरिज गार्डन में चौकीदार विमल ताम्रकार के बेटे आयुष्मान ताम्रकार ने यह कामयाबी हासिल की है। आयुष्मान के घर की माली हालत ठीक नहीं है और इसलिए कई बार पिता के बाहर जाने पर आयुष्मान भी उनकी जगह चौकीदारी करने जाता था। साथ ही वह चांदी के आभूषण बनाने में मां का भी हाथ बंटाता था। इसके अलावा गर्मी की छुट्टियों में आयुष्मान किराना दुकान पर काम कर अपनी फीस का इंतजाम करता था। आयुष्मान का साइंस में एक नंबर कम आया। उसका सपना इंजीनियर बनने का है।

आयुष्मान की तीन बहनें हैं। उसकी जुड़वां बहन आयुषी ने भी 10वीं में 92 फीसद अंक हासिल किए हैं। बड़ी बहन डिग्री कॉलेज में पढ़ती है। मां बरखा ताम्रकार ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से उसके पिता आगे पढ़ाने और बाहर भेजने से मना करते थे, लेकिन प्रदेश में बेटे के टॉप करने पर अब चार हजार रुपये में चौकीदारी करने वाले उसके पिता कह रहे हैं कि अब सभी बच्चों को पढ़ाएंगे, चाहे इसके लिए उन्हें अपना घर तक क्यों न बेचना पड़े।

▸ किसान का बेटा भी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर

गगन दीक्षित

माता-पिता और बहन के साथ आयुष्मान।

सोशल मीडिया से दूर रहा गगन

सागर जिले के गौरझामर के किसान राजेश दीक्षित का बेटा गगन दीक्षित भी 500 में से 499 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से प्रदेश में टॉपर रहा है। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के छात्र गगन का कहना है कि उसने स्कूल व ट्यूशन के अलावा प्रतिदिन दस घंटे पढ़ाई की और सोशल मीडिया से दूर रहा। मोबाइल का इस्तेमाल भी नहीं किया। उसका कहना है कि छात्रों को सोशल मीडिया से दूर रहना चाहिए जिससे उनका मन न भटके। उधर, 10वीं की परीक्षा में बालाघाट जिले के ग्राम रामपायली निवासी चाय की दुकान चलाने वाले दिलीप सोनबिरसे की बेटी आंचल ने 97.8 फीसद अंक प्राप्त कर प्रदेश में 10वां स्थान अर्जित किया है।

बारहवीं में 72.37 व दसवीं में 61.32 फीसद रहा परीक्षा परिणाम

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने बुधवार को हाई स्कूल और हायर सेकंडरी का रिजल्ट घोषित किया। हाई स्कूल का रिजल्ट 61.32 फीसद रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 5.22 फीसद कम है। हायर सेकंडरी का रिजल्ट 72.37 फीसद रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 4.30 फीसद ज्यादा रहा। हायर सेकंडरी की मेरिट लिस्ट में 117 परीक्षार्थियों को स्थान मिला है जबकि पिछले साल यह संख्या 103 थी। 12वीं में सिवनी की दृष्टि सनोडिया ने 95.8 फीसद अंक लाकर कला संकाय, चंदेरी अशोक नगर की आर्या जैन ने 97.2 फीसद अंक लाकर विज्ञान-गणित संकाय, श्रीजन श्रीवास्तव 96.2 फीसद अंक प्राप्त कर जीव विज्ञान समूह, उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल के विवेक गुप्ता 97.2 फीसद अंकों के साथ वाणिज्य समूह और उत्कृष्ट विद्यालय दमोह की प्रिया चौरसिया ने 96.2 फीसद अंक प्राप्त कर कृषि समूह में टॉप किया।

10वीं में प्रश्नों की संख्या कम कर सकता है सीबीएसई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

2020 में होने वाली दसवीं की परीक्षा में व्यवस्था हो सकती है लागू

▸ छात्रों में रचनात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से सीबीएसई कर रहा बदलाव

रचनात्मक लेखन की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 10वीं बोर्ड की परीक्षा में ऑब्जेक्टिव प्रश्नों की संख्या को घटाने की तैयारी कर रहा है। इसके पीछे बोर्ड के अधिकारियों का तर्क है कि इस बदलाव से रटकर पढ़ने की प्रवृत्ति की बजाय छात्रों में रचनात्मक लेखन बढ़ेगा। इस बदलाव को लागू करने से पहले छात्रों के लिए बोर्ड द्वारा एक नमूने के तौर पर ऐसे प्रश्न पत्र जारी किए जाएंगे। जिससे वह इस नए बदलाव पर अपने हिसाब से अभ्यास कर सकें। इसके साथ ही 10वीं के प्रश्न पत्रों में 100 में से 20 अंकों का इंटर्नल असेसमेंट होगा, जिसे स्कूल देखेगा। बोर्ड ने इसी वर्ष 12वीं के छात्रों के लिए मार्च में हुई परीक्षा में रचनात्मक जवाब देने पर अंक देने की बात कही थी। फरवरी में बोर्ड के अधिकारियों ने कहा था कि 12वीं के छात्रों का मनोबल बढ़ाने और उनके रचनात्मक जवाब देने के तरीके को देखते हुए रचनात्मक जवाब के अंक देंगे।

2020 में लागू हो सकती है नीति : इस नीति को 2020 में होने जा रही 10वीं बोर्ड की परीक्षा में लागू करने की योजना है। 12वीं के छात्रों के लिए बोर्ड ने कहा था कि रचनात्मक जवाब देने पर छात्रों के अंकों में किसी तरह की कटौती न हो और उत्तर पुस्तिकाओं को चेक करने वाले मूल्यांकनकर्ता को इसकी भी समझ हो। इसके लिए मूल्यांकनकर्ता को प्रशिक्षण भी दिया। जिससे वह छात्रों के सरल शब्दों में जवाब के अलावा रचनात्मक जवाब को समझ सकें और उसके आधार पर छात्र को अंक दें। अगर कोई छात्र जवाब देते हुए रचनात्मक लेखन करता है, तो उसे उस प्रश्न के जितने अंक हैं वह मिलें। 12वीं के छात्रों के लिए इस वर्ष लागू की गई इस नीति को अब 10वीं बोर्ड के छात्रों के लिए भी लागू करने पर विचार किया जा रहा है।

दिल्ली समेत प्रमुख शहरों की सफाई का एक्शन प्लान बनाएगा नीति आयोग

तैयारी ▸ जुलाई में पेश होने वाले आम बजट में हो सकती है इसके लिए विशेष घोषणा

इंदौर, पुणे, बेंगलुरु व अंबिकापुर के अनुभवों से सीख लेगा आयोग

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली को साफ बनाने के लिए नीति आयोग एक्शन प्लान कर रहा है। आयोग ने बुधवार को इसी सिलसिले में आला अधिकारियों की बैठक बुलाई। बैठक में इस बात पर विचार किया कि देश की राजधानी के साथ-साथ बाकी शहरों को किस प्रकार से साफ रखा जाए। इसके लिए इंदौर जैसे साफ-सुथरे शहरों के अनुभवों से सीख भी ली जाएगी।

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली की सभी नगर निगमों के आयुक्त और शहरी विकास मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ ही इंडियन आयल कारपोरेशन, एनटीपीसी व रॉयल डच शेल कंपनी के अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में दिल्ली के साथ ही देश के प्रमुख शहरों को साफ बनाने की रणनीति पर विचार किया। बैठक में देश के सबसे साफ शहर इंदौर, पुणे, बेंगलुरु और अंबिकापुर में सफाई कार्यक्रम की सफलता के बारे में प्रेजेंटेशन भी किया गया। बैठक में शामिल तकनीकी साझीदारों- एनटीपीसी और आइओसी ने शहरों को साफ रखने के लिए उपयुक्त तकनीक के बारे में सुझाव दिए।

कांत ने दैनिक जागरण से कहा कि अगली बैठक चुनाव के बाद होगी जिसमें छह राज्यों की नगर निगमों के अधिकारियों को बुलाकर एक साथ बैठक की जाएगी। इस बैठक में भी उन शहरों के अनुभवों को साझा किया जाएगा जहां स्वच्छता के लिहाज से नए प्रयोग हुए हैं और जो सफल रहे हैं। आयोग की कोशिश शहरों में सफाई के अभियान को जन आंदोलन बनाने की है। उन्होंने कहा कि जबतक एक तंत्र नहीं बनेगा, हमारे शहर साफ नहीं होंगे। हमें घर पर ही कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालने और उसके बाद इससे मैथनॉल जैसी चीजें बनाने की तकनीक अपनानी होगी। इस बीच सूत्रों का कहना है कि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण आम बजट में शहरों की सफाई के लिए विशेष राशि आवंटित की जा सकती है। माना जा रहा है कि इसके लिए शहरी विकास मंत्रालय को विशेष धनराशि आवंटित की जाएगी।

इस साल फरवरी तक बनाए गए 56.6 लाख शौचालय

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस साल फरवरी तक 56.6 लाख से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है। साथ ही 6.33 लाख शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। एक आरटीआइ (सूचना का अधिकार) अर्जी के जवाब में सरकार ने यह जानकारी दी है। शहरी स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य भारत को खुले में शौच से मुक्त बनाना और देश के सभी 4,041 शहरों की नगर पालिका के सॉलिड वेस्ट का 100 फीसद वैज्ञानिक प्रबंधन करना है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में, 7.53 लाख व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है, जबकि महाराष्ट्र में इस साल फरवरी तक 6,82,812 शौचालयों का निर्माण किया गया है। आरटीआइ के जवाब के मुताबिक केवल 480 शौचालय दिल्ली में और 336 शौचालय अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बनाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि राजस्थान में जहां 3,57,767 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है वहीं बिहार में 2,93,614 शौचालय का निर्माण किया गया है।

शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन रिजवी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ शीर्ष अदालत ने सरेंडर के लिए और 15 दिन का समय दिया

▸ 2012 में लखनऊ की दरगाह हजरत अब्बास में नई कमेटी को प्रबंधन प्रभार सौंपने के दौरान मारपीट का है मामला

उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद वसीम रिजवी को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से थोड़ी राहत मिली। शीर्ष अदालत ने मारपीट के मामले में आरोपी रिजवी को कोर्ट के समक्ष समर्पण करने के लिए और 15 दिन का समय दे दिया। इस दौरान रिजवी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्यवाही नहीं की जाएगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और संजीव खन्ना की अवकाशकालीन पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल रिजवी की विशेष अनुमति याचिका का निपटारा करते हुए दिया। हाई कोर्ट ने केस रद करने की मांग पर सुनवाई होने तक निचली अदालत से जारी गैर जमानती वारंट पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी थी और अदालत के समक्ष समर्पण करने के लिए 15 दिन का वक्त दिया था।

पीठ ने कहा कि उसे हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने का कोई आधार नजर नहीं आता। हालांकि न्यायहित को देखते हुए वह याचिकाकर्ता को अदालत के समक्ष समर्पण करने के लिए 15 दिन का और अतिरिक्त समय देती है।

यह मामला लखनऊ की दरगाह हजरत अब्बास में नई कमेटी को प्रबंधन प्रभार सौंपने के दौरान हुई मारपीट और झगड़े का है। घटना 2012 की है। रिजवी व अन्य आरोपितों ने हाई कोर्ट में मुकदमा रद करने की याचिका दाखिल कर रखी है। हाई कोर्ट ने मुकदमा रद करने की मांग लंबित होने के कारण निचली अदालत की सुनवाई पर रोक लगा दी थी जो कि लंबे समय तक जारी रही। अभी हाल में हाई कोर्ट ने निचली अदालत की सुनवाई पर लगी रोक हटा दी थी जिसके बाद निचली अदालत ने रिजवी व अन्य के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

1989 में मातोश्री पर आतंकी हमले का खतरा था : राणे

नई दिल्ली, प्रेट्र : शिवसेना के पूर्व सदस्य नारायण राणे ने दावा किया है कि वर्ष 1989 में आतंकवादियों ने बाल ठाकरे के घर मातोश्री में बम विस्फोट करने की साजिश रची थी। इसके चलते तत्कालीन शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे को मजबूरन कुछ दिनों के लिए अपने परिजनों को सुरक्षित स्थान में शिफ्ट होने का निर्देश देना पड़ा था।

भाजपा समर्थित राज्यसभा सदस्य राणे ने कहा कि तब के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवार ने बाल ठाकरे के छोटे बेटे उद्धव को बुलाया और खतरे के बारे में जानकारी देते हुए दावा किया कि ठाकरे खालिस्तानियों की हिट लिस्ट में थे। इसके बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की बात भी हुई थी।

19 मार्च, 1988 को बाल ठाकरे ने एक प्रेस कांफ्रेंस की और मुंबई के सिख समुदाय के लोगों के लिए एक प्रश्नावली जारी करते हुए पूछा कि वह इन आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग नहीं करने का आश्वासन दें। राणे के मुताबिक तब बाला साहेब ठाकरे ने घोषणा की थी कि अगर सिख समुदाय कट्टरवाद को धन मुहैया कराता रहेगा तो उनका मुंबई में सामाजिक और आर्थिक बायकॉट होगा। नारायण राणे ने अपनी नई किताब में इस घटना का विस्तार से जिक्र किया है और बताया है कि उसके बाद क्या हुआ।

महिला ने जलाने का प्रयास करने वाले पति को दिलाई माफी

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

जिस पति ने जलाकर मारने का प्रयास किया था उसे अब महिला ने हत्या के प्रयास के मामले में सजा से मुक्त करा दिया है। अहमदाबाद की नूरजहां को उसके पति इरफान कचोट ने करीब आठ साल पहले केरोसिन छिड़ककर आग के हवाले कर दिया था। पड़ोसियों ने उसे बचाया और अस्पताल पहुंचाया था।

इस मामले में अहमदाबाद की मेट्रो कोर्ट ने इरफान को फरवरी 2013 में तीन साल की सजा सुनाई थी। करीब एक माह जेल में रहने के बाद इरफान जमानत पर छूट गया और अपने परिवार के साथ रहने लगा। इस दौरान इस दंपती को दूसरी बेटी भी हो गई।

इरफान को एक बार फिर कोर्ट का बुलावा आया और जेल जाने की नौबत आई तो नूरजहां ने हाई कोर्ट में शपथपत्र पेश कर बताया कि जेल जाने के बाद उसके पति के स्वभाव में काफी बदलाव आ गया है। अब वे दोनों अपनी बेटियों के साथ खुशी से जिंदगी बिता रहे हैं। अगर पति को फिर जेल भेजा गया तो परिवार को मुसीबतों को सामना करना पड़ेगा। जस्टिस एजी उरैजी ने शपथपत्र को गंभीरता से लेते हुए इरफान की सजा माफ कर दी।

▸ महिला ने कोर्ट को बताया, जेल जाने के बाद व्यवहार में आया सुधार

दुष्कर्म पीड़िता की मां को मिली वर्दी

सूरत सिटी पुलिस ने गत वर्ष दुष्कर्म की शिकार बनी किशोरी की मां को ट्रैफिक पुलिस में नौकरी दी है। पीड़िता की मां ने ड्यूटी शुरू कर दी है, लेकिन कम पढ़ालिखा होना उनके लिए परेशानी का कारण बन गया है। यातायात पुलिस आयुक्त विधि चौधरी ने बताया कि पढ़ाई के दौरान ही शादी होने से वह अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं कर सकी। अब उसे इंडोर जॉब के लिए तैयार किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश से अपहृत दो किशोरियों को महाराष्ट्र से छुड़ाया गया

पालघर (महाराष्ट्र), प्रेट्र : पुलिस ने उत्तर प्रदेश से कथित रूप से अपहृत की गईं दो किशोरियों को महाराष्ट्र के पालघर से मुक्त करा लिया है। किशोरियों के अपहरण के आरोप में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। 16 और 17 साल की ये दोनों किशोरियां चचेरी बहनें हैं। पिछले सप्ताह ये उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के सोनौली कस्बे स्थित एक रिश्तेदार के घर गई थीं। इनमें से एक लड़की इंटरमीडिएट परीक्षा में फेल होने के चलते तनाव में थी। नौ और 10 मई की रात को दोनों लड़कियां बिना किसी को बताए रिश्तेदार के घर से गायब हो गईं। जब घरवाले दोनों को खोज पाने में असफल रहे तो सोनौली पुलिस से संपर्क किया और प्रयागराज निवासी अभिजीत यादव पर अपहरण करने का संदेह जताया। इसके बाद पुलिस ने आइपीसी की धारा-363 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज कर लिया। इस बीच पालघर पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति दो लड़कियों का लाया है और उन्हें यहां वसई के एक घर में रखा है। मंगलवार शाम शिवदे ने दोनों लड़कियों को मुक्त कराने के साथ ही अभिजीत यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को संदेह है कि आरोपित दोनों लड़कियों को यहां देह व्यापार में ढकेलने के इरादे से लाया था।

वसुधारा के सम्मोहन में खिंचे जा रहे हैं यात्री

जागरण संवाददाता, चमोली

▸ बदरीनाथ धाम से आठ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है वसुधारा झरना

▸ झरना इतना ऊंचा है कि पर्वत के मूल से शिखर तक एक नजर में नहीं दिखता

उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ धाम से आठ और सीमांत गांव माणा से पांच किमी दूर समुद्रतल से 13500 फीट की ऊंचाई पर एक अद्भुत झरना है। इसे शास्त्रों में वसुधारा नाम से जाना जाता है। 400 फीट की ऊंचाई से गिर रहे इस झरने की खूबसूरती सम्मोहित करने वाली है। ऐसा प्रतीत होता है, जैसे पहाड़ी से फेन उठ रहा हो। इतनी ऊंचाई पर वायु और जल के मिश्रण से उत्पन्न संगीत हृदय के तारों को झंकृत कर देता है। यही वजह है कि भगवान बदरी विशाल के दर्शनों को आने वाले अधिकांश यात्री व पर्यटक वसुधारा जाना नहीं भूलते। इन दिनों भी ऐसा ही नजारा है।

मान्यता है कि राजपाट से विरक्त होकर पांडव द्रोपदी के साथ इसी रास्ते से होते हुए स्वर्ग गए थे। कहते हैं कि वसुधारा में ही सहदेव ने अपने प्राण और अर्जुन ने अपना धनुष गांडीव त्यागा था। वसुधारा के लिए फुट ट्रैक (पैदल पथ) माणा गांव से शुरू होता है। सरस्वती मंदिर से गुजरने के बाद ट्रैक कठिन हो जाता है क्योंकि यहां जमीन बहुत ही कठोर है। इसलिए माणा से वसुधारा तक की ट्रेकिंग में दो घंटे लग जाते हैं। मार्ग पर भोजन और पानी की भी कोई सुविधा नहीं है।

वसुधारा के बारे में कहावत है कि इसके शीर्ष को देखते हुए व्यक्ति की टोपी गिर जाती है। यह झरना इतना ऊंचा है कि पर्वत के मूल से शिखर तक पूरा एक नजर में नहीं देखा जा सकता। यहां आकर ऐसी अनुभूति होने लगती है, मानो यह धरती का हिस्सा न हो। इसीलिए पांच किमी की पैदल दूरी तय करने के बाद यहां पहुंचते ही पर्यटक अपनी थकान भूल जाते हैं। श्री बदरीनाथ धाम के धर्माधिकारी भुवनचंद्र उनियाल के अनुसार, स्कंद पुराण के वैष्णवखंड बद्रिकाश्रम माहात्म्य में इस जल प्रपात की महत्ता बताई गई है। कहा गया है कि इस जल प्रपात का छींटा भी पड़ने से मनुष्य के समस्त विकार मिट जाते हैं। इसलिए काफी संख्या में यात्री वसुधारा जाने का प्रयास करते हैं।

मई से नवंबर तक है यात्रा का समय: बदरीनाथ यात्रा काल में मई से नवंबर तक वसुधारा की यात्रा की जा सकती है। इसके लिए बदरीनाथ से माणा गांव तक वाहन की सुविधा उपलब्ध है। इसके बाद पांच किमी की दूरी पैदल तय कर वसुधारा पहुंचा जाता है। लेकिन, यहां जाने के लिए यात्री या पर्यटक का पूरी तरह स्वस्थ होना जरूरी है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ धाम से आठ और सीमांत गांव माणा से पांच किमी दूर वसुधारा जल प्रपात का विहंगम नजारा। करीब चार सौ फीट की ऊंचाई से गिर रहे इस प्रपात की खूबसूरती सम्मोहित करने वाली है। जागरण

चिंताजनक

दो साल चार माह में 70 बाघों की हो चुकी है मौत, साढ़े चार माह में शिकारियों ने करंट लगाकर मारे पांच बाघ

मध्य प्रदेश में हर माह तीन बाघों की हो रही मौत

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश में हर माह औसत तीन बाघों की मौत हो रही है। साढ़े चार माह में 15 बाघ मर चुके हैं। इनमें से पांच की मौत करंट लगने के कारण हुई है। इसके बाद भी राज्य सरकार और वन विभाग अपने प्रबंधन को बेहतर बता रहा है, जबकि जमीनी स्तर से स्टाफ की मांग की जा रही है। विभागीय बैठकों में फील्ड डायरेक्टर और वनमंडल अधिकारी स्टाफ की कमी की समस्या उठाते रहते हैं। उनका कहना है कि स्टाफ कम होने के कारण बेहतर मॉनीटरिंग में दिक्कत आ रही है।

बाघों की मौत के मामले में मध्य प्रदेश लगातार तीन साल से देश में पहले स्थान पर है। लगभग दो साल चार माह का रिकॉर्ड देखें तो प्रदेश में 70 बाघों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2019 भी बाघों के लिए ठीक नहीं है। जनवरी से 13 मई तक 15 बाघों की मौत हुई है। दुखद पहलू यह है कि इनमें से सबसे ज्यादा मौतें संरक्षित क्षेत्रों में हुई हैं और पांच बाघ करंट लगने से मरे हैं। तीन बाघों को दूसरे बाघ मारकर खा गए। ये मामले कान्हा टाइगर रिजर्व में सामने आए हैं। सोमवार को सतना जिले के चित्रकूट की मझगंवा रेंज में बाघ का शिकार हुआ है। इसे भी करंट लगाकर मारा गया है। इसके पहले डिंडौरी, उत्तर शहडोल, पेंच टाइगर रिजर्व और सतना वनमंडल में भी करंट लगाकर बाघों को मारा गया है। वन विभाग ने इन मामलों में शिकार के प्रकरण भी दर्ज किए हैं और आरोपितों की गिरफ्तारी भी हुई है।

कब कितने बाघ मरे

वर्ष	मौत के आंकड़े
2017	26
2018	29
2019	15 (अब तक)

मवेशियों को बचाने के लिए लगाते हैं करंट

विभागीय जानकार बताते हैं कि जंगल के आसपास रहने वाले लोग अपने पालतू मवेशियों को बाघों से बचाने और शाकाहारी वन्यप्राणियों के शिकार की नीयत से करंट लगाते हैं। ऐसे मामलों में आरोपितों को इस बात का फायदा भी मिल जाता है कि उनकी नीयत बाघ को मारने की नहीं थी, बल्कि वे हिरण, सांभर या खरगोश जैसे वन्यप्राणियों का शिकार करना चाहते थे। शिकारियों के इस तरह के बयान से केस कमजोर पड़ जाता है।

कुएं की 35 फीट खोदाई कराकर बरामद किए बाघ के अवशेष

छिंदवाड़ा: पेंच नेशनल पार्क में पिछले तीन माह में एक शावक सहित चार बाघों के शिकार के मामले में गत दिवस भोपाल से आई एसटीएफ की टीम ने एक कुएं की 35 फीट गहरी खोदाई कराकर बाघ के अवशेष जब्त किए। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि ये अवशेष करीब दो माह पुराने हैं। शिकारियों ने बाघ का शिकार कर उसके अवशेषों को सूखे कुएं में फेंक दिया था। खेत मालिक ने पानी न होने के कारण उसे मुरम से भर दिया था। भोपाल के अपर प्रधान मुख्य वनसंरक्षक आलोक कुमार ने बताया कि पेंच पार्क में मृत बाघ के अवशेष जब्त हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता किया जाएगा।

देशभर में बंद होगा नर्सिंग का 'जीएनएम' कोर्स

संदीप पांडेय, लखनऊ

देशभर में नर्सिंग का जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) कोर्स बंद होगा। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने सभी राज्यों को पत्र जारी कर दिया है। इसके लिए दो वर्ष तक का वक्त दिया है। ऐसे में भविष्य में जहां स्टाफ नर्स के लिए बीएससी नर्सिंग ही मान्य होगा। वहीं कई कॉलेजों में ताला भी लगने का अंदेशा है।

दरअसल, नर्सिंग के लिए विद्यार्थी 12वीं के बाद जीएनएम, एएनएम व बीएससी नर्सिंग कोर्सों में दाखिला लेते हैं। ऐसे में जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) कोर्स अस्पतालों में स्टाफ नर्स के लिए अर्ह माना गया। वहीं सुपर स्पेशलियटी सेवाओं के बढ़ते चलन में जीएनएम कोर्स की उपयोगिता घट रही है। यहां तक कि आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थानों में अब स्टाफ नर्स के लिए बीएससी नर्सिंग कोर्स को तवज्जो दी जा रही है। हाल में ही एक एम्स में स्टाफ नर्स पद के लिए जीएनएम कोर्स को दरकिनार करने पर मामला कोर्ट तक पहुंचा। ऐसे में अपग्रेड हो रही हेल्थ सर्विस के बीच जीएनएम कोर्स का टिके रह पाना चुनौती बन रहा है। लिहाजा, इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आइएनसी) ने जीएनएम कोर्स बंद करने का फैसला किया है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल के सचिव रथीश नायर ने यूपी समेत सभी स्टेट मेडिकल फैकल्टी को पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि 2020-21 जीएनएम कोर्स का अंतिम सत्र होगा। इसके बाद जीएनएम में कोई भी दाखिला मान्य नहीं होगा।

देश में जीएनएम के हजारों नर्सिंग स्कूल : देश में जीएनएम के हजारों नर्सिंग स्कूल हैं। वहीं सीटें भी एक लाख के करीब हैं। उप्र में जीएनएम कोर्स के लिए 303 कॉलेजों को मान्यता है। इसमें कुल 14, 310 सीटें हैं। वहीं सरकारी 13 कॉलेज हैं, जिनमें 610 सीटें जीएनएम की हैं। वहीं एनएम के 279 कॉलेज हैं, इसमें सरकारी 39 हैं। इसकी कुल सीटें क्रमश 9,370 व 2,310 हैं। ऐसे ही कुल 98 कॉलेज बीएससी नर्सिंग के हैं। इनमें पांच सरकारी हैं।